आज़
कानपुर
8 अक्टूबर , 2023
11

सीएसए का किसान मेला आज उद्घाटन करेंगे कृषि उत्पादन आयुक्त

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 7 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (8 से 10 अक्टूबर) अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन होगा। रविवार दोपहर 12 बजे किसान मेला का उदघाटन कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह करेंगे। फसल उत्पादन बढाने के साथ ही विविधिकरण खेती-बाड़ी पर जोर होगा, ताकि किसानों की आमदनी में दो से तीन गुना तक वृद्धि हो सके। सीएसए कैम्पस में सुगंधित और औषधीय गार्डन की शीघ्र स्थापना होगी और मिलेट्स के साथ मुनाफे वाली खेती-बाड़ी को बढ़ावा दिया जाएगा। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को कमेटी हाल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। कुलपति ने बताया कि तीन साल बाद सीएसए प्रागण में किसान मेला का आयोजन हो रहा है और इतिहास में पहली बार किसान मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। पूर्व में 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग करा दी है। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। कुलपति ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे है। उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होंगे। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। 150 किसानों को चिन्हित कर उन्हे बीज तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि खेती के साथ-साथ बीज भी तैयार कर सके। वार्ता के दौरान प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुलसचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ, नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह आदि मौजूद रहे।

वीसी डा.ए.के.सिंह

कोसी को मंजूरी मिल चुकी है।

है जिसकी भव्य

हिंदुस्तान 08/10/2023

सीएसए: रूसी एग्री काउंसलर से होगा कृषि मेले में करार

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। सीएसए में तीन वर्ष बाद कृषि मेला व प्रदर्शनी लगाई जा रही है। रविवार को इसका उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह करेंगे। मेले में रशियन एंबेसी से आए कृषि काउंसलर का एक दल भी रहेगा। दल के साथ खेतों में मशीनरी के अधिक उपयोग को करार होना है। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में लगभग 15 हजार किसान आ सकते हैं। प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-211 कानपुर, रविवार 8 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए में कल से तीन दिवसीय होगा किसान मेला, कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए

उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है।हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ-साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है। उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है। कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12:00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

शनिवार

07 अक्टूबर, 2023

खबर एक्सप्रेस

अंक - 61

सीएसए में कल से तीन दिवसीय होगा किसान मेला

कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।

कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70% की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है।हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ-साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है। उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है। कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12:00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 99 कानपुर, रविवार 08 अक्टूबर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

तीन दिवसीय किसान मेला आज, कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

कानपुर । सीएसए में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है। कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70त्न की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है।

पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है।हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ-साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है। उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है। कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12ः00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

मोटर मालिकों ने कर्मचारियों की हित की कहीं बात

कानपुर । 27 साल से कर्मचारियों का शोषण कर रहे कानपुर महानगर बस सेवा रूट नंबर 2 के अध्यक्ष व महामंत्री लाखों का गवन कुछ वाहन स्वामी भ्रष्टाचार्यों से

तीन साल बाद सीएसए में किसान मेला आज से

» कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे किसान मेला का शुभारंभ » श्री अन्न को लेकर किसान हो रहे जागरूक: कुलपति

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पहली बार किसान मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताया जाएगा। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15 हजार से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है। कुलपति ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसान मेले का उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह करेंगे।

किसान मेले की जानकारी देते सीएसए के कुलपति डॉ. आनन्द कुमार सिंह।

कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे तीन दिवसीय किसान मेले का उद्घाटन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रू–ब–रू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70% की बढ़ोतरी हुई है किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे–धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ–साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12:00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह करेंगे पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अमर उजाला 08/10/2023

सीएसए में आज से लगेगा तीन दिवसीय किसान मेला

संवाद न्यूज एजेंसी

100 स्टॉल लगेंगे, किसानों को दी जाएगी तकनीकी जानकारी

कानपुर। सीएसए में तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी रविवार से शुरू होगी। किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराने वाला यह मेला 8 से 10 अक्टूबर तक चलेगा। रशियन दूतावास से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होंगे। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर काम हो सके। दोपहर 12 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह मेले का उद् घाटन करेंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगेंगे। पहले 75 स्टॉल तक लग चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान के स्टॉल पर किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में जानकारी दी जाएगी। मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।

कहा कि मिलेट्स के बीजों की बिक्री चार गुना बढ़ी है। पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरूक नहीं था, लेकिन अब इसकी अहमियत समझने लगा है। वह वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे आय में बड़ा अंतर आया है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेती हैं। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 35 कानपुर, रविवार 08 अक्तूबर-2023 पृष्ठ -8

तीन दिवसीय किसान मेला आज, कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

समाज का साथी

कानपुर । सीएसए में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70ब्र की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है।हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ-साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है। उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है। कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12ः00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

वर्ष-17 अंक-277 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 08 अक्टूबर 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

सीएसए में आज से तीन दिवसीय किसान मेले का होगा आयोजन

कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100 स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।

कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं। किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12:00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, रविवार, 08 अक्टूबर 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ -

सीएसए में कल से तीन दिवसीय होगा किसान मेला, कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय 8 से 10 अक्टूबर के बीच अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

यह मेला पूरे 3 साल बाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय बढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीके से रूबरू कराया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि इतिहास में पहली बार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले तक 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस बार 100

स्टॉलों ने अपनी बुकिंग कर दी है। खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे यह किसानों के लिए एक बेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के बारे में बताएंगे। इस मेले में तीन दिन के अंदर लगभग 15000 से अधिक किसानों के आने की उम्मीद है।

कुलपति डॉ. सिंह ने बताया कि पिछले 4 सालों की बात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सब्जियों की खेती में 60 से 70त्न की बढ़ोतरी हुई है। किसानों की आय बढ़ी है, धान, गेहूं की खेती करने वाले अब मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रशियन एंबेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं। भारत में कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम कर सके। डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर अब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। पहले किसान मिलेट्स की खेती के लिए इतना जागरुक नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों को भी अब इसकी अहमियत समझ में आने लगी है। किसान वापस अब मक्का, जौ, बाजरा जैसी खेती कर रहे हैं। इससे किसानों की आय में बड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही बात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी बहुत सी खेतियां होती है, जिससे किसान की आय कई गुना बढ़ सकती है।हम अधिक बीज तैयार कर सके इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा कि हम खेती के साथ-साथ बीजों की खेती भी कर सकते हैं, क्योंकि फसल तैयार होने के बाद जितना धन प्राप्त होता है। उससे ज्यादा कहीं धन हम बीजों की खेती करके भी प्राप्त कर सकते है। कल किसान मेले का उद्घाटन दोपहर 12:00 बजे प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ. आरके यादव, कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्यलोक उपस्थित रहे।

आज से 3 दिन सीएसए में मेला और प्रदर्शनी

KANPUR (7 Oct): चंद्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर एंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी (सीएसए) में संडे से 10 अक्टूबर के तक अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा. सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे. खास बात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे.

रशियन एग्री काउंसलर भी

बताया कि रशियन एंबेसी से एग्री काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे हैं. भारत में एग्रीकल्चर कृषि को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा, ताकि मशीनीकरण पर काम किया जा सके. डॉ. सिंह ने कहा कि मिलेट्स के बीजों पर चार गुना की बढ़ोतरी हुई है. पहले किसान इतना जागरुक नहीं था, अब हुआ है.

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 08/10/2023

आज के कार्यक्रम

महातर्पण : युग दधिचि देहदान संस्थान की ओर से सरसैया घाट पर महातर्पण सुबह 10 .30 बजे।

गोष्ठी : अखिल भारतीय अधिवक्ता की ओर से स्टाक एक्सचेंज सभागार सिविल लाइंस में गोष्ठी सुबह 11 बजे।

शिविर : रक्तदान शिविर चंद्रशेखर आजाद पार्क आजाद नगर में 11 बजे।

महोत्सव : श्री श्याम महोत्सव का आयोजन बनारस होटल लान नयागंज में दोपहर एक बजे।

रैली : भारतीय दलित पैंथर की ओर से वाहन रैली कंपनी बाग स्थित डा. अंबेडकर प्रतिमा से दोपहर एक बजे।

कार्यशाला : कैलाश सरस्वती इंटर कालेज की ओर से शिक्षा सोपान द्वारा विज्ञान कार्यशाला 2 .30 बजे।

सम्मेलन : रंजना देवी संगीत संस्था एवं ध्रुपद केंद्र की ओर से युवा संगीत सम्मेलन मर्चेंट चैंबर हाल सिविल लाइंस में शाम पांच बजे।

बैठक : अखिल भारतीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा की बैठक सुतरखाना घंटाघर में छह बजे।

आयोजन : रागेंद्र स्वरूप आडिटोरियम सिविल लाइंस में कलानिधि की ओर से आयोजन शाम 6 .30 बजे।

फसलों की 15 नई प्रजातियों से होंगे रूबरू

सीएसएवि में आज से किसान मेले की शुरुआत

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के किसान मेले में आने वाले कृषकों को बीते पांच साल के दौरान जारी 10 फसलों की 15 नई प्रजातियों से रूबरू होने का मौका भी मिलने वाला है। इसमें सबसे ज्यादा पांच प्रजातियां अलसी की हैं।

सीएसए का कृषि विज्ञान मेला इससे पहले 2018 में आयोजित किया गया था। इस दौरान सीएसए के कृषि विज्ञानियों ने 10 फसलों की 14 नई प्रजातियों का अनुसंधान किया है। मेले में पहली बार नई प्रजातियों का प्रदर्शन होगा। जिससे किसानों को इन प्रजातियों की विशेषता पता चलेगी और वह उनके बीज भी प्राप्त कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इसमें सर्वाधिक पांच प्रजातियां अलसी फसल से संबंधित हैं तो मूंग और राई की दो-दो प्रजातियां हैं। गेहूं, तोरिया, ज्वार, मसूर और तंबाकू की प्रजातियां भी जारी हुई हैं। नई प्रजातियों के अधिक उत्पादन गुणों और मौसम व बीमारियों की प्रतिकूलता को सहन करने की वजह से इन्हें किसानों के बीच लोकप्रियता मिल रही है।

ये प्रजातियां हुईं जारी

अलसी	इंदु, अनु, अपर्णा, एलसीके-1009 और आजाद प्रज्ञा।
मूंग	केएम 2342 व आजाद मूंग।
राई	आजाद महक, सुरेखा
गेहूं	के-1616
तोरिया	आजाद चेतना
मसूर	शेखर -8, शेखर - 7
ज्वार	के-1425
तंबाकू	नाथ (एआरआर 37)

मेले में आएंगे 30 जिलों के 15 हजार किसान

जासं, कानपुर : पांच साल बाद रविवार से शुरू हो रहे किसान मेले में हर रोज पांच हजार किसानों का जमावड़ा होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्र स्तरीय नौ केंद्रों के विज्ञानी भी अपने उत्पाद व तकनीकों के साथ शामिल हो रहे हैं। मेले में रूस के भारत में तैनात कृषि राजदूत भी शामिल होंगे। मेले का शुभारंभ रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह करेंगे। किसान मेले की थीम श्रीअन्न मिलेट्स रखी गई है।

ज़ानकारी देते कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह● जागरण

सीएसए के तीन दिवसीय किसान मेला व कृषि प्रदर्शनी में 30 जिलों के किसान भी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने शनिवार को मीडिया को बताया कि श्रीअन्न की विभिन्न प्रजातियों के बारे में किसानों को विशेष जानकारी दी जाएगी। इस बार सीएसए ने श्रीअन्न बीज उत्पादन में चार गुणा वृद्धि की है। मेले में रूसी दूतावास से कृषि राजदूत भी शामिल हो रहे हैं। पांच साल बाद आयोजित हो रहे मेले में देश के विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों के विज्ञानी भी शामिल होंगे। सीएसए का यह 40वां आयोजन है। पहली बार इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नौ स्टाल लगाए जा रहे हैं । यहां किसानों को दूसरे राज्यों व विशेषीकृत खेती के लिए खास तौर पर जानकारी दी जाएगी। मेले में किसानों के लिए चौपाल का आयोजन होगा जिसमें कृषि विज्ञानी किसानों को खेती-बाड़ी, बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान और विधियों की जानकारी देंगे। क्रिसानों को मेले के दौरान 2000 क्विंटल बीज भी दिए जाएंगे।

सीएसए में किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी आज से

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक (सीएसए) विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारम्भ रविवार 8 अक्टूबर को प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे। किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी में किसानों को वेहतर तरीके से खेती करने और आय में वृद्धि के तरीके वताए जायेंगे।

सीएसए में कृषि मेले की जानकारी देते कुलपति प्रो. आनंद सिंह।

प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त करेंगे उद्घाटन

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते यह मेला 3 साल वाद आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इस मेले का आयोजन 2019 में किया गया था। इस मेले में किसानों को उनकी आय वढ़ाने और अच्छी खेती करने के तरीकों की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने वताया कि इतिहास में पहली वार विश्वविद्यालय के मेले में 100 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इससे पहले अधिकतम 75 स्टॉल तक लग चुके हैं, लेकिन इस वार 100 स्टॉलों की वुकिंग हो चुकी है। खास वात यह है कि भारतीय कृषि अनुसंधान से भी जो स्टॉल लगाए जाएंगे, वह किसानों के लिए एक वेहतर मौका लेकर आएंगे। किसानों को उनकी भाषा में तकनीकी के वारे में वताएंगे।

कुलपति श्री सिंह ने वताया कि पिछले 4 सालों की वात करें तो मक्का, तिलहन, दलहन, हरी सव्जियों की खेती में 60 से 70 प्रतिशत तक की वढ़ोतरी हुई है। इससे किसानों की आय वढ़ी है। धान, गेहूं की खेती करने वाले अव मशरूम, दलहन, तिलहन, मक्का आदि की खेती कर रहे हैं। उन्होंने वताया कि रशियन एंवेसी से कृषि काउंसलर भी इस मेले में शामिल होने आ रहे है। भारत में कृषि को वढ़ावा देने के लिए उनके साथ एक एमओयू होगा ताकि मशीनीकरण पर कुछ काम किया जा सके। किसान वापस अव मक्का, जौ, वाजरा जैसी खेती कर रहे है। इससे किसानों की आय में वड़ा अंतर पड़ा है। किसानों को यही वात समझनी है कि गेहूं और धान के अलावा भी वहुत सी फसलें होती हैं, जिनसे किसानों की आय कई गुना वढ़ सकती है। किसानों को अधिक वीज तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे वीजों की खेती करके भी आय प्राप्त कर सकें। वार्ता में प्रसार निदेशक डॉ.आरके यादव, कुल सचिव डॉ.पीके उपाध्याय, डॉ.नौशाद खान और डॉ.राम वटुक सिंह आदि थे।

राष्ट्रीय सहारा 08/10/2023